दृढ़ता की शक्ति के आधार से ही आगे बढ़ सकते

राजयोगिनी ब्र.कु. उषा बहन, वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

हर मनुष्य के अंदर पांच प्रकार के संस्कार होते हैं। सबसे पहले प्रकार के संस्कार हैं ओरिज़नल संस्कार, अनादि संस्कार। ईश्वर के धाम में जब आत्मा होती है तो एकदम शुद्ध स्वरूप में, सतोगुण स्वरूप में फुल बैटरी चार्ज होती है। जब वहाँ से आते हैं संसार में तो दूसरे प्रकार के जो संस्कार हैं वह हैं पूर्व जन्म के संस्कार। कोई आत्मा कहाँ से आई, कोई आत्मा कहाँ से आई तो उस जन्म के कर्मों का प्रभाव भी उसके साथ होता है, जो कार्मिक अकाउंट के रूप में क्रिएट हो गया होता है, तो वह पूर्व जन्म के संस्कार भी बीच-बीच में इंटरफेयर करते हैं। कई बार आपने जीवन में महसूस किया होगा कि एक तरफ आपका विवेक अंदर से मना करता है कि यह ठीक नहीं है, लेकिन फिर भी जैसे मजबूर होकर आप कर लेते हैं। यह पूर्व जन्म का संस्कार क्रियांन्वित कर रहा है, आपको मजबूर कर रहा है और उस वक्त व्यक्ति समझ नहीं पाता कि मेरे साथ ऐसा क्यों होता है।

तीसरे प्रकार के संस्कार हैं जिसको कहा जाता है गर्भ संस्कार, माता-पिता द्वारा प्राप्त संस्कार। कोई बच्चा माँ जैसा है, कोई पिता जैसा है, कोई दादा जैसा है वो संस्कार भी साथ लेकर आता है।

चौथे प्रकार के संस्कार हैं, इस जन्म में हम नए क्रिएट करते और वह है संग के प्रभाव के माध्यम से। इसलिए कहा जाता

व्यक्ति एक बार ठान ले कि मुझे यह करना है, मुझे यह बनना है और बस उस दृढ़ता की शक्ति के आधार से वह आगे बढ़ता ही जाता है। साधारणता से ऊपर उठ जाता है और महानता के शिखर पर पहुंच जाता है।

जैसा संग वैसा रंग। मनुष्य अच्छी संगत में होता है तो उसके संस्कार अच्छे बनते जाते हैं और अगर बुरी संगत में फँस जाते हैं तो उसके संस्कार वैसे होने लगते हैं। कई बार अच्छे घर के बच्चे हम देखते हैं ड्रग एडिक्ट(नशे के आदी) हो जाते हैं, बुरी संगत में फँस जाते हैं, बुरी आदतों के शिकार हो जाते हैं फिर उससे निकलना चाहते हैं,लेकिन निकल नहीं पाते। कई बच्चे बुरे वातावरण में होने के बावजूद भी स्ट्रीट लाइट के नीचे पढ़ कर कितने महान बन जाते, तो इसीलिए जैसा संग वैसे संस्कार बनने लगते हैं, वैसे ही कर्म होते हैं। और फिर वैसा संस्कार बनता है। और पांचवें प्रकार के संस्कार हैं, जो इस जन्म में हम क्रियेट करते हैं अपनी विल पॉवर से। व्यक्ति एक बार ठान ले कि मुझे यह करना है, मुझे यह बनना है और बस उस दृढ़ता की शक्ति के आधार से वह आगे बढ़ता ही जाता है। साधारणता से ऊपर उठ जाता है और महानता के शिखर पर पहुंच जाता है।

तो यह पांच प्रकार के संस्कार होने के कारण एक न मिले दूसरे से। किसी में कौन-सा कार्य कर रहा है तो किसी में कौन-सा,इसीलिए हर बच्चा अलग है। इसीलिए मन, बुद्धि और संस्कार यह तीनों बैटरी को चार्ज भी करते हैं। हमें अपनी इन सूक्ष्म शक्तियों को अच्छे से समझकर यूज़ करना है। आध्यात्मिकता हमें यह परिचय देती है कि मन को सकारात्मक कैसे बनाएं, अपने विचारों को सकारात्मक दिशा कैसे दें, अपनी बुद्धि की क्षमता को, विवेक को आध्यात्मिक ज्ञान से कैसे पोषण देते जाएं ताकि सही चुनाव हम अपने जीवन में कर सकें और हमारे कर्म को विल पॉवर के माध्यम से चलाएं, दृढ़ता की शक्ति के आधार से चलाएं और साधारणता से ऊपर उठें।

बेंगलुरू-कर्नाटक। ब्रह्माकुमारीज के इंटरनेशनल प्रोजेक्ट 'शिव शक्ति लीडरशिप इनिशिएटिव' के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज कुमारा पार्क सबजोन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में वसंता कविता श्रीकर के.सी.रेड्डी,असिस्टेंट प्रोफेसर,सोशल सर्विस,वर्किंग ऑन जेंडर सेंसिटिविटी, राजयोगिनी ब्र.कु.निर्मला दीदी,ज्वाइंट चीफ एडमिनिस्ट्रेटर हेड ऑफ ब्रह्माकुमारीज एंड डायरेक्टर ऑफ ऑस्ट्रेलिया,एशिया एंड ज्ञान सरोवर एकेडमी मा.आबू, ब्र.कु.डॉ.सविता दीदी,सीनियर टीम मेंबर ऑफ शिवशक्ति इंडिया रीजन, डॉ.ब्र.कु. सुनीता दीदी,फोकल प्वाइंट पर्सन,शिव शक्ति इंडिया रीजन, ब्र.कु.सरोजा दीदी,कुमारा पार्क सबजोन इंचार्ज सहित अन्य सभी शिवशक्ति टीम मेम्बर्स उपस्थित रहे। लगभग 100 महिलाओं ने इस कार्यक्रम का लाभ लिया।

पन्ना-म.प्र.। राष्ट्रीय युवा दिवस(स्वामी विवेकानंद जयंती) के अवसर पर 'सशक्त युवा-समृद्ध युवा' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए श्रीमति निशा जैन,पूर्व प्राचार्य,शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय पन्ना, ब्र.कु. सीता बहन,संचालिका,स्थानीय उप सेवाकेन्द्र, श्रीमति आशा गुप्ता,उपाध्यक्ष,नगर पालिका, शेख अंजाम,उन्नत शिखर समिति एनजीओ तथा अन्य।

जुनागढ़-गुज.। राजयोगिनी ब्र.कु. दमयंती दीदी के अमृत महोत्सव के कार्यक्रम में राजयोगिनी ब्र.कु. नलिनी दीदी,मुम्बई घाटकोपर, राजयोगिनी ब्र.कु. शकु दीदी, ब्र.कु. निकुंज भाई, ब्र.कु. बिना बहन सहित बड़ी संख्या में भाई-बहनें शामिल रहे।

पोरबंदर-गुज.। 'बेफिक्र निश्चिंत तनाव मुक्त जीवन' विषय को स्पष्ट करने के पश्चात् समूह चित्र में मोटिवेशनल स्पीकर एवं जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु. शिवानी बहन, कार्यक्रम आयोजक डॉ.पारस मजीठिया, निरमा इंडस्ट्रीज़ के पूर्व सीनियर के.के.जंड, डॉ.गांधी, हिरल बा जाडेजा, ब्र.कु.गीता दीदी, मुंबई से ब्र.कु.निहा बहन तथा अन्य।

सुरत-अडाजन(गुज.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा डुमस में फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के लिए आयोजित 'अलविदा तनाव' कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. वीणा दीदी,हुबली,कर्नाटक। इस मौके पर स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. दक्षा बहन, ब्र.कु. सोनवणे,आईएफएस तथा फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के स्टाफ मौजूद रहे।

कोपरगांव-शिरडी(महा.)। ब्रह्माकुमारीज़ के रेडियो मधुबन 90.4 एफ.एम. द्वारा आत्मा मालिक कॉलेज,कोपरगांव में गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सरला दीदी, नंदकुमार सूर्यवंशी,प्रेज़िडेंट विश्वात्मक जंगली महाराज आश्रम ट्रस्ट,कोकामथान, ब्र.कु. तुकाराम भाई, इंडियन आइडल की आम्रपाली, आर.जे. रमेश,रेडियो मधुबन, वॉइस ऑफ आत्मा मालिक के जज चवण योगीराज, केतन सर आदि उपस्थित रहे।

ओम शान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें

कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया

संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न-5,आबू रोड, राज. 307510

सम्पर्क- - 9414006096, 9414182088,

Email-omshantimedia@bkivv.org

सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक - 240 रूपये, तीन वर्ष - 720 रूपये, आजीवन - 6000 रूपये

Website: www.omshantimedia.org

For Online Transfer

BANK NAME:- STATE BANK OF INDIA(SBI)
ACCOUNT NAME:- OM SHANTI MEDIA
ACCOUNT NO: - 30826907041,IFSC - CODE - SBIN0010638
BRANCH- Prajapita Brahmakumaris Ishwariya Vishwa Vidhyalya,Shantivan

Note:- AfterTransfer send detail on
E-Mail - omshantimedia.acct@bkivv.org
OR
Whatsapp, Telegram No.:- 9414172087